नेशनल पी0जी0 कालेज, लखनऊ

(लखनऊ विश्वविद्यालय का स्वायत्तशासी कॉलेज)

'नैक' द्वारा 'ए' ग्रेड से मूल्यांकित महाविद्यालय

वार्षिक रिपोर्ट – सत्र 2019–20

इतिहास : नेशनल पी. जी. कालेज, लखनऊ की स्थापना सन् 1974 ई0 में तत्कालीन उत्तर प्रदेश के चार बार मुख्यमंत्री रह चुके लौह पुरूष स्व0 श्री चन्द्र भानु गुप्त द्वारा बी0कॉम0 की कक्षाओं से हुई। सन् 1979 में बी0ए0 की कक्षाओं की मान्यता प्राप्त हुई। सन् 1991 ई0 में प्रोफेसर डॉ0 एस0पी0 सिंह ने प्राचार्य का कार्य भार ग्रहण किया। उनके निर्देशन में महाविद्यालय अत्यन्त तीव्रता के साथ विकास पथ पर अग्रसर हुआ।

विकास के दृष्टिकोण से शैक्षिक सत्र 2009–10 महाविद्यालय के इतिहास में मील का पत्थर है, क्योंकि इसी वर्ष से नेशनल पी0जी0 कालेज को स्वायत्तशाासी महाविद्यालय का स्तर प्राप्त हुआ है। वर्तमान समय में नेशनल कालेज लखनऊ विश्वविद्यालय का पहला स्वायत्तशासी पोस्ट ग्रेजुएट कालेज है तथा उत्तर प्रदेश का ऐसा पहला महाविद्यालय है जिसमें स्नातक एवं स्नात्कोत्तर दोनों ही स्तरों पर सेमेस्टर प्रणाली लागू की गई है। सत्र 2013–14 में 'नैक' द्वारा महाविद्यालय 'ए' श्रेणी से मूल्यांकित किया गया है एवं महाविद्यालय को शैक्षणिक गुणवत्ता में भारत के श्रेष्ठतम् महाविद्यालयों में अग्रणी स्थान पर रखा गया है।

महाविद्यालय में बी0ए0, बी0कॉम0, बी0बी0ए0, बी0बी0ए0 (एम0एस0), बी0कॉम0 ऑनर्स, बी0एस0सी0, बी0सी0ए0, एम0कॉम0 तथा मनोविज्ञान, भूगोल एवं मानवशास्त्र विषयों में एम0ए0, बी0वॉक0, एम0वॉक0, कम्यूनिटी कोर्सेज तथा विभिन्न विभागों द्वारा संचालित सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा कार्यक्रमों के अध्ययन की व्यवस्था है।

छात्र–छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु 'सेवेन स्टेप स्टूडेन्ट सपोर्ट कार्यक्रम' लागू है। जिसके अन्तर्गत छात्र–छात्राएं सात स्तरों पर अपनी प्रतिभा का विकास कर सकते है।

गतिविधियाँ

(क) शैक्षिक – स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश हेतु महाविद्यालय के सभी संकायों की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती रही है एवं छात्र–छात्राओं के विषय चुनाव एवं सत्रीय कार्यक्रम से अवगत कराने हेतु एक प्री–एडमीशन काउन्सिलिंग एवं प्रवेश उपरान्त ओरिएन्टेशन कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।

इस सत्र में 02 जुलाई 2019 को कला संकाय, 06 जुलाई 2019 को वाणिज्य संकाय, 09 जुलाई 2019 को विज्ञान संकाय तथा 16 जुलाई 2019 को प्रबन्धन संकाय का ओरिएन्टेशन कार्यक्रम आयोजित हुआ। 19 जुलाई 2019 को महाविद्यालय स्थित इग्नू अध्ययन केन्द्र के मोटिवेशन ड्राइव एवं फीडबैक कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

समुचित अध्ययन अध्यापन के साथ छात्र–छात्राओं एवं शिक्षकों के ज्ञानवर्द्धन एवं शैक्षिक उत्कृष्टता को दृष्टिगत रखते हुए महाविद्यालय द्वारा समय–समय पर अनेक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

15 अगस्त 2019 को **"आजादी 2019"** कार्यक्रम के तहत अन्तर्संकाय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, इसमें कला, वाणिज्य, विज्ञान एवं प्रबन्ध संकाय की टीमों के बीच सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ।

5 सितम्बर 2019 को महाविद्यालय में **'शिक्षक दिवस समारोह'** आयोजित किया गया।

2 जुलाई 2019 को उ0प्र0 के पुलिस महानिदेशक श्री ओ0पी0 सिंह एवं अन्य पुलिस अधिकारियों द्वारा नारी सुरक्षा पर उत्प्रेरक व्याख्यान दिये गये, जो अन्यन्त उपयोगी रहे।

10 जुलाई 2019 को क्षेत्रीय केन्द्र इग्नू एवं नेशनल पी0 जी0 कालेज के संयुक्त तत्वावधान में 'बालसंरक्षण अधिकार' पर कार्यशाला का आयोजन हुआ। इसके मुख्य अतिथि बाल संरक्षण आयोग, उ0 प्र0 के अध्यक्ष श्री विशेष कुमार गुप्त जी थे।

2 अक्टूबर 2019 को महात्मा गाँधी की जयन्ती पर **'महात्मा गॉधी एवं विजन आफ न्यू सोसायटी'** विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ।

इससे पूर्व 10 अक्टुबर 2018 को लुआक्टा, फुफुक्टा एवं नेशनल पी0जी0 कालेज के तत्वाधान से राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं महाविद्यालय शिक्षक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसके मुख्य अतिथि डिप्टी चीफ मिनिस्टर प्रो0 दिनेश शर्मा थे।

26 अक्टूबर 2019 को महाविद्यालय में वार्षिक खेलकूद अन्तर्संकाय प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। इसमें महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने पूर्ण मनोयोग के साथ भाग लिया।

28 अक्टूबर से 8 नवम्बर 2019 तक स्वर्गीय चन्द्रभानु गुप्त अन्तर्ममहाविद्यालयी क्रिकेट टूर्नामेण्ट का आयोजन हुआ। इसके मुख्य अतिथि ल0वि0वि0 के कुलपति प्रो0 सुरेन्द्र प्रताप सिंह थे। 20 दिसम्बर 2018 को 'आग बुझाने के प्रभावी नियंत्रण पर व्याख्यान हुआ एवं सीज फायर कम्पनी द्वारा फैकल्टी, तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को आग बुझाने की ट्रेनिंग दी गई।

नवम्बर एवं दिसम्बर 2019 में सेमेस्टर परीक्षाओं का अत्यन्त पवित्रतापूर्ण ढंग से आयोजन किया गया एवं 5 जनवरी 2020 तक समस्त परीक्षा परिणाम घोषित कर दिये गये। परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा।

26 जनवरी 2020 को "स्पेक्ट्रम–2020" के अन्तर्गत अन्तर्संकाय नाट्य प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

मार्च 2020 में ही "ओज–2020" के अन्तर्गत अन्तर्संकाय सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

07 जनवरी 2020 से 12 जनवरी 2020 तक महाविद्यालय में युवा सप्ताह **'समर्थ युवा पर्व'** का आयोजन किया गया, जिनमें विभिन्न दिवसों में सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, योगाभ्यास, अन्तर्महाविद्यालयी पोस्टर प्रतियोगिता एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इसके मुख्य अतिथि इलाहाबाद, उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति माननीय श्री ए0आर0 मसूदी थे।

भूगोल विभाग द्वारा विभिन्न संगोष्ठियों, कार्यशालाओं एवं व्याख्यानों सहित 15 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

दीनदयाल उपाध्याय कौशल विकास केन्द्र द्वारा 'information security threats & counter measures' कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसी केन्द्र द्वारा 'Software hub a Creating fest' पर भी एक कार्यशाला का आयोजन हुआ। हिन्दी विभाग द्वारा 28 मई 2020 को 'वर्तमान वैश्विक महामारी के परिप्रेक्ष्य में साहित्य की भूमिका'

विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन हुआ। इसके मुख्य वक्ता ल0वि0वि0 के हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष, प्रो0 सूर्य प्रसाद दीक्षित थे।

इससे पूर्व 2019 में मानव विज्ञान विभाग द्वारा संचालित 'Water conservation an awareness for life' विषय पर Workshop का आयोजन किया गया इसके मुख्य वक्ता पुलिस महा निदेशक श्री महेन्द्र मोदी थे।

महाविद्यालय में स्वामी विवेकानन्द के जीवन दर्शन पर दिनांक 11 जनवरी 2020 को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया एवं दिनांक 7 सितम्बर 2019 को स्वामी विवेकानन्द जी के शिकागो भाषण पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

छात्र–छात्राओं द्वारा दिनांक 1 अक्टूबर 2018 को महाविद्यालय में निबन्ध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें महाविद्यालय के लगभग बीस छात्र–छात्राओं ने भाग लिया।

इण्डियन एसोसिएषन ऑफ फिजिक्स टीचर्स (IAPT) द्वारा आयोजित National Graduate Physics Examination 2018 में महाविद्यालय के छात्र आकाश श्रीवास्तव ने राज्य में श्रेष्ठतम् स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय के 55 छात्र–छात्राओं का चयन किया गया।

14 अप्रैल 2019 को डा0 अम्बेडकर जयन्ती पर एक और राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रस्तावित है। इसके मुख्य वक्ता जोधपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो0 एल0एस0 राठौर होंगे।

वर्तमान शैक्षिक सत्र में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ0 नीरजा सिंह की **'ग्राफोलोजी–सेक्रेट ऑफ योर सेल्फ'** विषयक पुस्तक प्रकाशित हुई। इस पुस्तक का प्रकाशन अन्तर्राष्ट्रीय प्रकाशक Larsen and Keller Newyork द्वारा किया गया।महाविद्यालय के हिन्दी शिक्षक डॉ0 रामकृष्ण की 'सूरदास की कविता' 'पर द्रवहि संत सुपुनीता' एवं अवधी लोकोक्तियॅा एवं पर्यावरण' विषयक तीन पुस्तकें प्रकाशित हुईं। भूगोल विभाग की शिक्षिका डॉ0 ऋतु जैन की 'पर्यावरण भूगोल' एवं गणित विभाग के श्री बी0पी0 सिंह की पुस्तक 'टेक्सट बुक ऑफ मैट्रिक्स एण्ड डिफेन्सियल इक्वेशन्र्स एवं एन्टेक्स बुक ऑफ डिफरेन्सियल

जामेटरी एण्ड टेन्सार्स नामक दो पुस्तकें प्रकाशित हुई एवं डिपार्टमेन्ट ऑफ सॉफ्वेयर एण्ड ई–गवर्नेंस के शिक्षक डॉ0 विनय यादव की introduction and concept of E-governance विषयक पुस्तक प्रकाशित हुई।

महाविद्यालय में च्वाइस बेस्ट केडिट सिस्टम एण्ड इक्जामिनेशन रिफार्म लागू है।

संक्षेप में उपलब्धियां

1. सत्र 2018–19 में महाविद्यालय में कुल 27 संगोष्ठियाँ एवं 11 कार्यशालाएँ आयोजित की गई, जिनमें 26 राष्ट्रीय एवं 12 अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की थीं।
2. महाविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा गाँधी एवं अम्बेडकर अध्ययन केन्द्रों का संचालन हो रहा है। इन केन्द्रों के तत्वावधान में सत्र 2018–19 में 2 राष्ट्रीय संगोष्ठियां आयोजित की गई।
3. प्लेसमेन्ट हेतु महाविद्यालय में टी0सी0एस0, कनवर्जिस, एच0सी0एल0, इन्फोसिस, रिलायंस लाइफ इन्श्योरेन्स, विप्रो कान्सेट्रिक, पालिसी बाजार सहित 24 कम्पनियाँ आयी एवं 751 छात्र–छात्राओं को प्लेसमेन्ट प्राप्त हुआ। फेडरेल बैंक एवं अजीम प्रेम जी फाउण्डेशन एवं गूगल कम्पनी द्वारा भी महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं का चयन किया।
4. विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में महाविद्यालय के लगभग 70 शिक्षकों ने सहभागिता की और अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये।
5. सत्र 2017–18 में महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा लिखित लगभग 12 पुस्तकें प्रकाशित हुई तथा लगभग 97 शोध पत्र विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए।
6. अधिकांश शिक्षकों के लगभग तीन शोध पत्र विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए।
7. प्रबन्ध संकाय द्वारा दिनांक फरवरी 2019 में 'कैरियर टिकट' कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कार्पोरेट सेक्टर के विशेषज्ञों द्वारा महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं को कैरियर काउंसिलिंग दी गई।
8. विगत वर्ष नवम्बर 2016 में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 एस0पी0 सिंह ने लखनऊ विश्वविद्यालय का कुलपति पद सुशोभित किया। यह म्हाविद्यालय के लिए अत्यन्त

गौरव का विषय है। उसी समय मानव शास्त्र विभाग की अध्यक्ष डॉ0 नीरजा सिंह ने कॉलेज के प्राचार्य पद को ग्रहण किया।

8. सत्र 2005 से महाविद्यालय में विज्ञान संकाय की कक्षाएं प्रारम्भ हुई और आज महाविद्यालय का विज्ञान संकाय आधुनिकतम प्रयोगशालाओं से सुसज्जित श्रेष्ठतम् संकाय है।

9. सत्र 2002–03 से महाविद्यालय में प्रबन्ध संकाय की कक्षाएं प्रारम्भ हुई एवं आज प्रबन्ध संकाय का शैक्षिक गुणवत्ता में श्रेष्ठ स्थान है।

10. 'इंडिया टुडे' राष्ट्रीय पत्रिका द्वारा जून, 2018 के अंक में निर्धारित देश के श्रेष्ठतम् 50 महाविद्यालयों में नेशनल पी0जी0 कालेज, लखनऊ को प्रथम स्थान पर रखा गया है। इससे महाविद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता स्वतः सिद्ध होती है। निरन्तर सात वर्षों से कॉलेज को स्थान प्राप्त हो रहा है।

11. सत्र 2018–19 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सचिव, अनुसचिव एवं आयोग द्वारा नामित अनेक ख्याति प्राप्त आचार्यों ने महाविद्यालय का भ्रमण किया।

12. मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा कालेज को वर्चुअल क्लासेज, रेमेडियल क्लासेज एवं कम्पटेटिव क्लासेज तथा नेट परीक्षा की कक्षाओं की अनुमति प्रदान की गई।

13. मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा महाविद्यालय को इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन एवं परामर्श केन्द्र बनाया गया है।

14. महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्तपोषित 5 लघु शोध परियोजनाओं पर शोध कार्य किया जा रहा है।

15. मूल्यांकन पूर्ण पारदर्शी ढंग से संपादित किया जाता है तथा टॉपर विद्यार्थी की कापी अवलोकनार्थ पुस्तकालय में रखी जाती है।

16. महाविद्यालय के एन0एस0एस0 एवं स्काउट गाइड इकाइयों के छात्र–छात्राओं द्वारा रक्तदान तथा अन्य समाजोपयोगी कार्य किये जाते हैं।

17. महाविद्यालय में इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय एवं उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन केन्द्र भी सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है।

वर्तमान सत्र से लागू होने वाली प्रभावी योजनाएं–

1. महाविद्यालय में 'च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम एवं ग्रेडिंग प्रणाली' लागू की जा चुकी है।
2. महाविद्यालय की सेषनल परीक्षा को एकीकृत करके ऑनलाइन किये जाने की संकल्पना कार्य रूप में परिणत की जा रही है।
3. विभिन्न विभागों द्वारा लगभग एक दर्जन डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स लागू किये गये हैं।

भावी योजनाएँ –

एम0ए0 अंग्रेजी, सर्टिफिकेट कोर्स इन जर्मन, फ्रेन्च एवं इंग्लिश कम्यूनिकेशन, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन जर्नलिज्म एण्ड मॉस कम्युनिकेशन एवं सर्टिफिकेट कोर्स एवं ह्यूमन राइट्स सत्र 2019–20 से प्रस्तावित है।

प्रबन्ध तंत्र की अनुमति के साथ बी0एड0 की कक्षाओं के संचालन पर विचार हो रहा है तथा चन्द्र भानु गुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज की स्थापना भी विचारणीय है। इसी प्रकार महाविद्यालय के क्रीड़ा मैदान को भी विशाल स्टेडियम का रूप देने की योजना है। कैम्पस के विस्तारीकरण की योजना भी विचारणीय है। वर्तमान सत्र में अंग्रेजी, अर्थषास्त्र एवं हिन्दी विषय में स्नात्कोत्तर कक्षाओं का संचालन प्रस्तावित है।

वर्तमान समय में महाविद्यालय निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर है।

धन्यवाद।

डॉ0 राम कृष्ण
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
नेशनल पी0जी0
कालेज